गन्ना कृषक प्रशिक्षण एवं आवास भवन व गुड़ उत्पादन इकाई को मिलेंगे ढाई करोड़

गन्ना शोध केंद्र बनेगा मॉडर्न

मोतीपुर | एक संवाददाता

मोतीपुर गन्ना शोध केंद्र को मॉडर्न बनाया जायेगा। इसकी स्थिति बेहतर होने से यहां के किसानों को उत्तम किस्म के गन्ना बीज का लाभ मिलेगा। ये बातें रविवार को केंद्रीय कृषि मंत्री राधामोहन सिंह ने कही। मंत्री यहां केंद्र का औचक निरीक्षण करने पहुंचे थे। बिहार के इकलौते गन्ना शोध केंद्र का भ्रमण करते हुए मंत्री ने केंद्र के शोध व विकास कार्यों की समीक्षा की।

उन्होंने इस क्षेत्र में चीनी मिलें बंद होने से किसानों को हो रही समस्या पर चिंता जतायी। उन्होंने केंद्र पर दो वैज्ञानिकों की स्थायी नियुक्ति और चार वैज्ञानिकों को समय-समय पर केंद्र का भ्रमण करने का निर्देश दिया। गन्ना कृषक प्रशिक्षण एवं आवास भवन तथा गुड़ उत्पादन इकाई के निर्माण के लिए ढाई करोड़ की राशि देने की घोषणा की। मंत्री ने कहा कि इसके निर्माण कार्य का शिलान्यास जनवरी 2016 में होगा। मंत्री ने यहां बनने वाला गुड़ बेचने के लिए केंद्र के मुख्य द्वार पर बिक्री केंद्र व शो-रूम बनाने की घोषणा की। मंत्री ने पौधरोपण भी किया। मंत्री श्री सिंह ने कहा कि मोतीपुर चीनी मिल के बंद रहने से गन्ना किसानों को परेशानी हो रही है। मोदी जी के नेतृत्व में सरकार बनने पर दो वैज्ञानिकों की केंद्र में स्थायी नियुक्ति की गयी। इससे यहां शोध व विकास कार्य शुरू हुआ। आज यह केंद्र प्रजनक गन्ना बीज का उत्पादन कर किसानों को उपलब्ध करा रहा है। इस केंद्र में वरिष्ठ वैज्ञानिक अश्वनीदत्त पाठक के नेतृत्व में गन्ना के नये-नये प्रभेद के बीज की खोज की गई। इस केंद्र में रिसर्च के बाद गन्ना के नये प्रभेद की बीज राज्य सरकार को दी जाती है। इसलिए किसानों को इसका लाभ पहुंचाना राज्य सरकार की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने बंद पड़ी मोतीपुर चीनी मिल को चालू करने के लिए इसे आइपीएल के हवाले किया। लेकिन राज्य सरकार की अकर्मण्यता के कारण यह मिल नहीं चालू हो सकी। राज्य में सरकार व प्रशासन की मिलीभगत से कागजी खानापूर्ति कर धान खरीद में घोटाला किया गया। जांच में इसका खुलासा हुआ है। इस अवसर पर डॉ. अश्वनीदत्त पाठक, डॉ. विशाल नाथ, डॉ. एके साह, डॉ. रामजी लाल, डॉ. अजय शाह, डॉ. शेषधर पांडेय, अरविंद सिंह, लालबाबू, डॉ. महाराम सिंह, डॉ. शिवनाथ कुमार सिंह भी उपस्थित थे।

मोतीपुर में गन्ना शोध केंद्र का निरीक्षण करते केंद्रीय कृषि मंत्री राधामोहन सिंह। उन्होंने अधिकारियों से जरूरी जानकारियां लीं।

केंद्रीय मंत्री की घोषणा

- बिहार के इकलौते गन्ना शोध केंद्र का केंद्रीय कृषि मंत्री ने किया औचक निरीक्षण
- गुड़ बेचने के लिए केंद्र के मुख्य द्वार पर बिक्री केंद्र व शो-रूम बनाने का किया ऐलान

दिवंगत पूर्व विधायक के परिजन से मिले कृषि मंत्री

मोतीपुर। केंद्रीय कृषि मंत्री राधामोहन सिंह ने रविवार को बबुरवन गांव स्थित दिवंगत पूर्व विधायक बृजकिशोर सिंह के आवास पर पहुंचे। यहां उन्होंने दिवंगत पूर्व विधायक की तस्वीर पर फूल चढ़ाकर उन्हें श्रद्धांजलि दी। मंत्री ने शोक संतप्त परिजन से मुलाकात कर उन्हें सांत्वना दी। मौके पर दिवंगत बृजकिशोर सिंह के बड़े बेटे अरविंद कुमार सिंह, अरुण कुमार सिंह, भाजयुमो के प्रदेश अध्यक्ष राजेश वर्मा, जिलाध्यक्ष अरविंद सिंह, नंदकिशोर निराला, डॉ. रत्नेश कुमार, राजकिशोर सिंह भी थे। (ए.सं.)

खुलेगा गुड़ प्रसंस्करण यूनिट

दैनिक जागरण, 28/12/2015

मोतीपुर में खुलेगा, लीची के बाद अब गुड़ बनेगी जिले की खेती की पहचान

जासं, मोतीपुर/मुजफ्फरपुर : बिहार के गन्ना किसानों की माली हालत सुधारने के लिए गुड़ उद्योग को बढ़ावा देगी केंद्र सरकार। इसके लिए मोतीपुर में आधुनिक गुड़ प्रसंस्करण यूनिट खुलेगा। किसानों के प्रशिक्षण के लिए आधुनिक सुविधायुक्त छात्रावास बनेगा। यहां निर्मित गुड़ दिल्ली व दूसरे मल्टीसिटी के मॉल में बिकेंगे। लीची के साथ ही गन्ना के स्वास्थ्यवर्द्धक गुड़ उत्पादन के लिए मुजफ्फरपुर का नाम देश के दूसरे हिस्से के किसान जानेंगे। इसकी घोषणा केंद्रीय कृषि मंत्री राधामोहन सिंह ने रविवार को केंद्रीय भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान क्षेत्रीय केंद्र मोतीपुर के निरीक्षण के क्रम में की तथा अपनी सहमति दी। किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य सरकार की उदासीनता के कारण बिहार में चीनी मिल की हालत बहुत खराब है। इसका असर किसानों पर है इसलिए केंद्र सरकार गुड़ उद्योग को बढ़ावा देगी और इसके साथ ही बंद चीनी मिल चालू करने की पहल भी जारी है।

मोतीपुर में बनने वाले प्रशिक्षण केंद्र पर करीब ढाई करोड़ की लागत आएगी तथा प्रसंस्करण यूनिट पर तीन लाख की लागत होगी। मंत्री श्री सिंह ने कहा कि गन्ना अनुसंधान केंद्र पर वैज्ञानिक की नियुक्ति के साथ दूसरी जो भी जरूरत है उसे पूरा किया जाएगा। उन्होंने गुड का चखा तथा वैज्ञानिकों की शोध की सराहना की। इस मौके पर राष्ट्रीय लीची अनुसंधान केंद्र के निदेशक डा.विशालनाथ ने किसानों के बीच लीची बागवानी से जुड़ी पठन-पाठन सामग्री का वितरण किया।

मोतीपुर में गन्ना अनुसंधान केंद्र का निरीक्षण करते केंद्रीय कृषि मंत्री राधामोहन सिंह

दूसरे राज्यों के किसानों को दी जाएगी ट्रेनिंग

फोरलेन किनारे अवस्थित इस सेंटर पर गुड़ सेंटर खुलेगा। यहां से बनी गुड़ बिहार व बिहार से बाहर जाएगी। दूसरे राज्य के किसानों को लाकर गुड़ बनाने की ट्रेनिंग दी जाएगी। यहां बनने वाली गुड़ स्वास्थ्यवर्द्धक होगी। सेंटर निदेशक डा.अश्विनी दत्त पाठक ने कहा कि कार्बनिक यानि बिना केमिकल के तैयार होगा। सेंटर को चार वैज्ञानिक की नियुक्ति होगी। अभी दो वैज्ञानिक है। मौके पर लीची अनुसंधान केंद्र के निदेशक डा.विशालनाथ, प्रमुख वैज्ञानिक एसडी पाण्डेय, गन्ना केंद्र के वरीय वैज्ञानिक डा. एसएन सिंह डा.रामजी लाल, डा.अजय साह आदि उपस्थित थे।

संस्कार से ही समाज का विकास

कांटी (मुजफ्फरपुर), संस : केंद्रीय कृषि मंत्री राधामोहन सिंह ने कहा है कि नई पीढ़ी में उच्च शिक्षा के माध्यम से ही संस्कार मिल सकता है जिसकी अगुवाई में समाज का विकास संभव है। अच्छे संस्कार हासिल करने वाले बच्चे देश की उन्नति में सहभागी होते हैं, इसलिए अभिभावकों को विद्यालय के चयन में सतर्कता बरतनी चाहिए। सदातपुर स्थित सरस्वती विद्या मंदिर के प्रथम वार्षिकोत्सव में बतौर मुख्य अतिथि केंद्रीय मंत्री ने कहा कि शिक्षा के अभाव के कारण अंग्रेजों ने भारत पर शासन किया। अंग्रेजी हुकूमत ने युवा पीढ़ी को शिक्षा से दूर रखा और दमनकारी शासन किया। अब नई पीढी को आगे आकर देश हित में काम करना है जिसके लिए उच्च शिक्षा के साथ संस्कार भी जरूरी है। बच्चों में संस्कार के लिए अंग्रेजी स्कूल से अच्छी शिक्षा सरस्वती विद्या मंदिर में मिलती है जहां से पढ़ाई करके हजारों युवा देश के विकास में कार्य कर रहे हैं। स्थानीय विधायक अशोक चौधरी ने सरस्वती विद्या मंदिर के विकास के लिए हरसंभव मदद की बात कही। अन्य वक्ताओं में नगर विधायक सुरेश शर्मा, बोचहां विधायक बेबी कुमारी, आरएसएस के प्रांत प्रचारक रामकुमार जी आदि प्रमुख थे। विद्यालय के बच्चों ने कई सांस्कृतिक कार्यक्रमों की भी प्रस्तुति की।

गएं. इनके अलावा सात छोटी इंडस्ट्री राजकीय पॉलीटेक्निक कॉलेज और नहीं पड़ेगी. हल नहीं निकल सका. को बंद करने का कुछ दिनों पहले ही

खुशखबरी. केंद्रीय कृषि व किसान कल्याण मंत्री राधा मोहन सिंह ने की घोषणा

प्रभात खबर, 28/12/2015

मोतीपुर में खुलेगा गुड़ उत्पादन प्लांट

केंद्र ने दिये 2 .5 करोड़

- मोतीपुर गन्ना शोध केंद्र का लिया जायजा, कहा हाइटेक बनेगा केंद्र
- जनवरी 2016 में शोध केंद्र में होगा गुड़ उत्पादन यूनिट का शिलान्यास
- चार वैज्ञानिक करेंगे समय-समय पर केंद्र का निरीक्षण, देंगे मार्गदर्शन
- कृषक प्रशिक्षण व आवास के लिए भी मंत्री ने दिखायी दरियादिली

वरीय संवाददाता, मुजफ्फरपुर/ मोतीपुर

केंद्रीय कृषि व किसान कल्याण मंत्री राधा मोहन सिंह ने रविवार को मोतीपुर गन्ना शोध केंद्र का निरीक्षण किया. इस दौरान केंद्र के शोध व गन्ना विकास कार्यों की जानकारी वैज्ञानिकों से ली. चीनी मिलें बंद होने के कारण गन्ना किसानों को हो रही आर्थिक समस्याओं के समाधान व गन्ना किसानों को उचित लाभ दिलाने के लिए वैज्ञानिकों के साथ मंथन किया. मंत्री श्री सिंह ने कहा, इस शोध केंद्र में उच्च गुणवत्ता वाला गुड़ उत्पादन प्लांट लगाया जायेगा. साथ ही, इस प्लांट के साथ-साथ गन्ना कृषक प्रशिक्षण व आवास भवन निर्माण के लिए 2.5 करोड़ रुपयें की स्वीकृति दे दी. शिलान्यास जनवरी, 2016 में होगा. यहां पर मृदा जांच प्रयोगशाला की स्थापना की स्वीकृति दे दी. गुड़ बिक्री / गुड़ शोरूम केंद्र के मुख्य द्वार पर स्थापित करने की स्वीकृति दी. इस केंद्र के उत्थान के लिए यहां दो वैज्ञानिकों की स्थायी नियुक्ति व चार वैज्ञानिकों को समयझसमय पर केंद्र का भ्रमण दायित्व सौंप दिया गया है.

मंत्री ने प्रांगण में पौध रोपण भी किया. बड़ी संख्या में वैज्ञानिक व किसानों ने भाग लिया. इनमें भारतीय गन्ना अुनसंधान संस्थान लखनऊ के निदेशक डॉ. अश्विनीदत्त पाठक, राष्ट्रीय लीची अनुसंधान केंद्र मुजफ्फरपुर के निदेशक डॉ विशालनाथ, डॉ. रामजी लाल, डॉ. अजय साह, डॉ. शेषधर पांडेय, अरविन्द सिंह, लाल बाबू मौजूद थे.

गन्ना का जायजा लेते केंद्रीय मंत्री राधा मोहन सिंह.

- मोतीपुर बांट रहा बंगाल, ओड़शा व पूर्वी उत्तर प्रदेश को गन्ना बीज
- कोलख- 94184 व को- 0232 व 0233 किस्मों का हुआ विकास

किसानों में शोध केंद्र बांट रहा प्रजनक गन्ना बीज

मोतीपुर स्थित गन्ना शोध केंद्र ने गन्ना के दो किस्म विकसित किये हैं. यह मुजफ्फरपुर के लिए बहुत बड़ी बात है. केंद्र का दावा है कि हाल के दिनों में यहां से कोलख- 94184 व को- 0232 व 0233 किस्मों का विकास किया गया है. वृहत स्तर पर ब्रीडर सीड्स उत्पादन का कार्य हो रहा है. वर्ष 1988 से उपेक्षा के शिकार इस केंद्र को तात्कालीन पीएम अटल बिहारी वाजपेयी ने इस केंद्र को क्षेत्रीय शोध केंद्र घोषित कर दिया. लखनऊ स्थित गन्ना शोध संस्थान से जोड़ दिया. इसके बाद भी काफी दिनों तक केंद्र उपेक्षित रहा. लेकिन केंद्र ने फिर पहल की है. यहां दो वैज्ञानिकों को केंद्र में स्थायी नियुक्ति कर दी है. जिससे शोध व विकास का कार्य तीव्र गति से विकास प्रारंभ हुआ. आज यह केंद्र प्रजनक गन्ना बीज किसानों को उपलब्ध करा रहा है. यहां की चीनी मीलें बंद हैं.

दैनिक जागरण, 28/12/2015

गन्ना किसानों के लिए ढाई करोड़ स्वीकृत

मोतीपुर| केंद्रीय कृषि मंत्री राधा मोहन सिंह ने रविवार को मोतीपुर गन्ना अनुसंधान व प्रजनन संस्थान का मुआयना किया। इस दौरान उन्होंने गन्ना प्रजनन के उन्नत प्रभेदों के विकास के बारे में वैज्ञानिकों से जानकारी ली। उन्होंने उन्नत प्रभेद का गन्ना किसानों को मुहैया कराने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि कृषि मंत्रालय ने ढाई करोड़ रुपये की राशि गन्ना कृषक प्रशिक्षण, आवास भवन व गुड़ उत्पादन इकाई के निर्माण व बिक्री केंद्र के लिए स्वीकृत किया है। उन्होंने कहा कि गन्ना के प्रभेदों के विकास के लिए मोतीपुर में दो कृषि वैज्ञानिकों की प्रतिनियुक्ति की गई है। साथ हीं चार वैज्ञानिकों को समय समय पर मोतीपुर आकर मार्गदर्शन देने को कहा गया है। मौके पर निदेशक एडी पाठक, डॉ रामजी लाल, डॉ शिवनायक सिंह, डॉ एके साह, डॉ महराम सिंह, डॉ अजय कुमार साह, डॉ अरूण बैठा, डॉ केके सिंह, बीडी सिंह, आरबी द्विवेदी, मो शहाबुद्दीन सहित अन्य लोग उपस्थित थे।